

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक:-प.6()जविप्रा/सा.स्टोर/जूता जोड़ी/2016-17/डी-

दिनांक:-

"बोली प्रपत्र"

विषय:- प्राधिकरण में कार्यरत अधिकृत कार्मिकों को "लिबर्टी शूज तथा जुराब जोड़ी" क्रय आपूर्ति के सन्दर्भ में।

1. बोलियाँ दिनांक 25/1/2017 को सायं 3.00 बजे तक स्वीकार की जावेगी।
2. बोली देने वाली फर्म का पूरा नाम व पता:-
.....
.....
3. पता जिस पर बोली प्रेषित की गई है:- उपायुक्त (सा.स्टोर), कमरा नं. 05, मुख्य भवन, इन्दिरा गांधी सर्किल के पास, जविप्रा, जयपुर।
4. बोली सूचना संख्या:- प-6()जविप्रा/सा.स्टोर/जूता जोड़ी/16-17/डी-.....दि.....
5. प्रस्तावित आपूर्ति (उत्तम क्वालिटी लिबर्टी की लैडर लेडीज वैली एवं लिबर्टी के जेन्ट्स शूज एवं उत्तम क्वालिटी के जुराब के क्रय बाबत) की दरें कोटेशन में अंकित कर दी गई है।
6. बोली प्रपत्र के साथ संलग्न समस्त अनुदेश एवं शर्तें स्वीकार हैं तथा उन पर हस्ताक्षर कर दिये गये हैं।

बोलीदाता के हस्ताक्षर

नाम:-.....

पता:-.....
.....

मोबाइल/दूरभाष:-...../.....


उपायुक्त (सा.स्टोर)
ब.वि.प्रा., जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

लैडर जूतो हेतु बोलीदाताओं को निर्देश एवं शर्त:-

A. बोलीदाताओं को निर्देश :-

1. बोलियों बन्द लिफाफों में "लिबर्टी शूज तथा जुराब जोड़ी हेतु बोली 2016-17" अंकित करते हुये संलग्न "प्राईस-शिड्यूल" में प्रस्तुत करनी होगी, जो उपायुक्त (स्टोर) जविप्रा, जयपुर को निर्धारित दिनांक तक प्रस्तुत की जानी है।
2. बोली आमंत्रण सूचना में वर्णित मात्रा अनुमानित है प्राधिकरण की आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है।
3. सशर्त बोलियों अस्वीकार्य होगी।
4. बोलीदाता को इस प्रपत्र पर अंकित समस्त शर्तें स्वीकार करनी होगी तथा उन पर हस्ताक्षर कर बोली के साथ प्रस्तुत करने होंगे।
5. बोली प्रपत्र जविप्रा की सामान्य स्टोर शाखा से प्राप्त किया जा सकता है अथवा www.sppp.raj.gov.in & www.jaipurjda.org.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

B. बोलीदाता की योग्यता :-

1. आपूर्तिकर्ता फर्म के पास TIN No. रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है, जिसकी छायाप्रति संलग्न की जानी है।
2. बोलीदाता को कम्पनी/डिस्ट्रीब्यूटर से उस ब्राण्ड का अधिकृत विक्रेता होने का पत्र/प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

C. मूल्यांकन कसौटी एवं अनुबन्ध योग्यता निर्धारण प्रक्रिया :-

1. सर्वप्रथम सक्षम समिति द्वारा बोलीदाता द्वारा प्रस्तुत TIN No. रजिस्ट्रेशन छायाप्रतियाँ तथा वांछित प्रमाण-पत्र का अवलोकन किया जावेगा। वांछित प्रपत्र सही होने की दशा में, विभिन्न बोलीदाताओं द्वारा दी गयी दरों का अवलोकन किया जावेगा।
2. प्रस्ताव प्राप्त होने पर न्यूनतम दरों वाले बोलीदाता का चयन किया जावेगा। प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित सप्लाय के नमूनों की मांग भी की जा सकती है।
3. सप्लाय के तरीके अर्थात् one time supply अथवा कार्मिकों को उनके पैरो की नाप के अनुरूप अपने शोरूम से उपलब्ध कराये जाने सहित, किसी भी प्रकार से आपूर्ति हेतु निर्देशित किया जा सकता है।
4. प्रस्तावित सप्लाय की गुणवत्ता के आधार पर दरों की औचित्यता के दृष्टिगत अधिक दर वाले बोलीदाता की बोलियों भी स्वीकृत की जा सकती है।


उपायुक्त (सामान्य स्टोर)
ज वि.प्रा., जयपुर

5. बोलीदाता द्वारा दरें सुपाद्य एवं स्पष्ट शब्दों व अंको में अंकित की जानी चाहिए, प्रत्येक कंटिंग पर बोलीदाता के हस्ताक्षर होने चाहिए।
6. दरें समस्त करें, प्रभारों एवं भाड़ों सहित दी जानी चाहिए, बोली में वर्णित दर के अतिरिक्त किसी प्रकार के प्रभार स्वीकृत नहीं किये जायेंगे।
7. बोलीदाता द्वारा M.R.P. छूट एवं अन्य किसी भी प्रकार के डिस्काउन्ट से सम्बन्धी कोई योजना हो तो उसे भी "प्राईस-शिड्यूल" में अंकित किया जाना होगा।

D. अन्य शर्तें/अनुदेश:-

1. बोली के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी/स्पष्टीकरण स्टोर शाखा से प्राप्त किया जा सकता है, लिखित में स्पष्टीकरण प्राप्ति हेतु बोली सूचना प्रकाशित होने/Portal पर अपलोड करने के 3 दिवस के अन्दर लिखित प्रार्थना-पत्र उपायुक्त (सामान्य स्टोर) को प्रस्तुत करना होगा, जिसका प्रत्युत्तर प्रार्थी को प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करने की दिनांक से 3 दिवस में दे दिया जावेगा।
2. सक्षम समिति को कारण बताते हुये अथवा बिना बताये बोली को निरस्त करने का अधिकार होगा।
3. यह आवश्यक नहीं है कि क्रय एक ही फर्म से किया जावे। प्राधिकरण एक से अधिक बोलीदाताओं से क्रय किये जाने हेतु स्वतन्त्र है।
4. एकाधिक ब्राण्ड के प्रस्ताव प्राप्त होने पर दर एवं गुणवत्ता के औचित्यानुसार सर्वाधिक लाभप्रद का चयन समिति द्वारा किया जावेगा।
5. Rajasthan Transparency in Public Procurement Act-2012 प्रावधानों के तहत इस निविदा के साथ संलग्न Annexure-A, B & D बोलीदाता द्वारा हस्ताक्षर कर प्रेषित किया जाना अनिवार्य है। एक्ट की धारा-38 के अनुसार अपील करने पर Annexure-C एवं फार्म संख्या-1 भरकर एवं हस्ताक्षरित कर प्रक्रियानुसार सक्षम अपील प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाना होगा।
6. Rajasthan Transparency in Public Procurement Act-2012 प्रावधानों के अनुसार निविदाकर्ता संस्था के अधिकारियों/कार्मिकों द्वारा एवं समस्त Bidders द्वारा सत्यनिष्ठा संहिता की पालना किया जाना अनिवार्य होगा।
7. Rajasthan Transparency in Public Procurement Act-2012 के section-38 के तहत कोई भी Bidder अथवा Proposed Bidder जिसे यह प्रतीत होता है, कि इस Bid का कोई प्रावधान या कृत्य


 उपायुक्त (सामान्य स्टोर)
 ज.वि.प्रा., जयपुर

इस अधिनियम के प्रतिकूल है, तो वह प्रथम अपील अधिकारी सचिव, जविप्रा के समक्ष अपील कर सकता है। साथ ही समान उद्देश्य (अपील) के लिए प्रावधान अनुसार द्वितीय अपील अधिकारी आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर है। (अपील प्रारूप Annexure-C एवं Form-I के रूप में संलग्न है)।

8. राजस्थान उपापन में पारदर्शिता अधिनियम-2012 एवं नियम-2013 में वर्णित प्रावधान एवं समय-समय पर राज्य सरकार एवं प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले दिशा-निर्देश/आदेश जो इस निविदा हेतु प्रासंगिक हो जविप्रा एवं सफल निविदादाता द्वारा मान्य होंगे।

बोलीदाता के हस्ताक्षर

नाम:.....

पता:.....

मोबाइल / दूरभाष:..... /


आयुक्त (न्यायालय शाखा)
ज.वि.प्रा., जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक:-प.6()जविप्रा/सा.स्टोर/जूता जोडा/2016-17/डी-

दिनांक:-

“लिबर्टी शूज तथा जुराब जोडी हेतु बोली 2016-17”

“प्राईस-शिड्यूल”

प्रस्तावित सामग्री का प्रकार एवं विवरण	ब्राण्ड	सामग्री का अधिकतम विक्रय मूल्य (M.R.P.)	 प्रतिशत डिस्काउन्ट सहित प्रस्तावित दर
(अ) लिबर्टी के जैन्ट्स शूज एवं लिबर्टी की लेडीज वैली तथा जुराब के कय बाबत।		1. जैन्ट्स शूज	
		अंकों में रुपये	अंकों में रुपये
		शब्दों में रुपये	शब्दों में रुपये
			
		2. लेडीज वैली	
		अंकों में रुपये	अंकों में रुपये
		शब्दों में रुपये	शब्दों में रुपये
			
		3. जुराब जोडी	
		अंकों में रुपये	अंकों में रुपये
		शब्दों में रुपये	शब्दों में रुपये
			

नोट:- उपरोक्त जैन्ट्स शूज एवं लेडीज वैली की कीमतें समान होनी चाहिए एवं छूट प्रदान करने के पश्चात जुराब जोडी की कीमतें शामिल करते हुए राशि रुपये 1999/- से अधिक नहीं होनी चाहिए।

बोलीदाता के हस्ताक्षर

नाम

फर्म का नाम व पता

मोबाईल / दूरभाष नं...../.....


जयपुर विकास प्राधिकरण (सा.स्टोर)
ज.वि.प्रा., जयपुर

Annexure A: Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall-

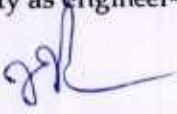
- (a) Not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) Not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) Not indulge in any collusion, Bid rigging or anticompetitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) Not misuse any information shared between the procuring entity and the bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) Not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) Not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- (g) Disclose conflict of interest, if any; and
- (h) Disclose any previous transgressions with any entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of interest.-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

- (i) A bidder may be considered to be in conflict of interest with one or more parties in the bidding process if, including but not limited to:
 - (a) Have controlling partners/shareholders in common; or
 - (b) Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - (c) Have the same legal representative for purposes of the bid; or
 - (d) have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the bid of another bidder, or influence the decisions of the procuring Entity regarding the bidding process; or
 - (e) The bidder participates in more than one bid in a bidding process. Participation by a bidder in more than one bid will result in the disqualification of all bids in which the bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a bidder, in more than one bid; or
 - (f) the bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the goods, works or services that are the subject of the Bid; or
 - (g) Bidder or any of its affiliates has been hired (or proposed to be hired) by the procuring entity as engineer-in-charge/consultant for the contract.


QC (Store)
JDA, Jaipur

Signature of bidder

Annexure B: Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted tofor procurement ofin response to their Notice inviting Bids No.....Dated.....
I/wehereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012 that :

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entry;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the union and the state government or any local authority as specified in the Bidding Document.
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date :

Place :



DC (Store)

IDA, Jaipur स्टोर,
ब.वि.प्रा., जयपुर

Signature of bidder

Name :

Designation :

Address :

Annexure C : Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is.....

The designation and address of the Second Appellate Authority is.....

(1) Filing an appeal:-

if any bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the procuring entity is in contravention to the provisions of the Act or the rules or the guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate authority, as specified in the Bidding document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a bidder as successful the appeal may be filed only by a bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a procuring entity evaluates the technical bids before the opening of the financial bids, an appeal related to the matter of financial bids may be filed only by a bidder whose technical bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under Para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under Para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in Para (2), or if the bidder or prospective bidder or the procuring entity is aggrieved by the order passed by the first appellate authority, the bidder or prospective bidder or the procuring entity, as the case may be, may file a second appeal to second appellate authority specified in the bidding document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in Para (2) or of the date of receipt of the order passed by the first appellate authority, as the case may be.

(4) Appeals not to lie in certain cases:-

No appeal shall lie against any decision of the procuring entity relating to the following matters, namely:-

- (a) Determination of need of procurement
- (b) Provisions limiting participation of bidders in the bid process
- (c) The decision of whether or not to enter into negotiations
- (d) Cancellation of a procurement process
- (e) Applicability of the provisions of confidentiality

(5) From of Appeals:-

- (a) An appeal under Para (1) or (3) above shall be in the annexed form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to first appellate authority or second appellate authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

DC (Store)

JDA, Jaipur

जयपुर (विभाग स्तर)
ज.वि.प्र.०, जयपुर

Signature of bidder (in case of appeal)

(6) Fee for filing Appeal:-

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a scheduled bank in India payable in the name of appellate authority concerned.

(7) Procedure for disposal of Appeal:-

- (a) The first appellate authority or second appellate authority as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing
- (b) On the date fixed for hearing, the first appellate authority or second appellate authority, as the case may be shall-
 - (i) Hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the appellate authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the state public procurement portal.


DC (Store)
JDA, Jaipur
ज.वि.दा. जयपुर

Signature of bidder (in case of appeal)

FORM No. 1

[see rule 83]

Memorandum of Appeal under the Rajasthan
Transparency in Public procurement Act, 2012

Appeal No. of Before
the (First/Second Appellate authority)

- 1- Particulars of appellant :
(i) Name of the appellant :
(ii) Official address, if any:
(iii) Residential address :
- 2- Name and address of the respondent(s):
(i)
(ii)
(iii)
- 3- Number and date of the order appealed
against and name and designation of the
office/authority who passed the order
(enclose copy), or a statement of a decision,
action or omission of the procuring Entity
in contravention to the provisions of the Act
by which the appellant is aggrieved:
- 4- If the Appellant propose to be represented by
a representative the name and postal address
of the representative:
- 5- Number of affidavits and documents enclosed
with the appeal:
- 6- Grounds of appeal :
(Supported by an affidavit)
- 7- Prayer :

Place :

Date :


DC (Store)
JDA, Jaipur
जयपुर (विनिमय स्टा)
ज.वि.दा. जयपुर

Appellant's Signature

Annexure D: Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a financial bid is substantially responsive, the procuring entity will correct arithmetical errors during evaluation of financial Bids on the following basis:

- (i) if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the procuring entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
- (ii) if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
- (iii) if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated bid does not accept the correction of errors, its bid shall be disqualified and its bid security shall be forfeited or its bid securing declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary quantities.

- (i) At the time of award of contract, the quantity of goods, works or services originally specified in the bidding documents may be increased or decreased, by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the bidding documents. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the bid and the conditions of contract.
- (ii) If the Procuring entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the bidding document due to change circumstances, the bidder shall not be entitled to any claim or compensation except otherwise provide in the conditions of contract.
- (iii) In case of procurement of goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the supplier fails to do so, the procuring entity shall be free to arrange for the balance supply by limited bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the supplier.

3. Dividing quantities among more than one bidder at the time of award (In case of procurement of Goods):-

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, then in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidder in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

DC (Store)

JDA, Jaipur

प्राप्त (प्रमाणित) स्वरुप
प्रमाणित, जयपुर

Signature of bidder